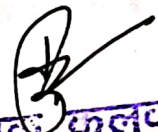


28/06/21

प्राचीन काल के निवेदन पर प्राचीन
आज तक की गई चुंकि सुलवाद का
निश्चय होने के उपर्यार्थना पर
किसी प्रकार का अनुभव लेष नहीं होने
के उपर्यार्थना पर के इसी स्वर पर
शरित किया जाता है प्राचीन कि
सुमार लेख सुलवाद के साथ नहीं है


सहायक कलेक्टर
(SDO) सिवाना

